Lect. – 24
Micro Economics

Date :– 28.4.20

'कीमत रेखा में परिवर्तन'
(Shifting of the price line)

B.A. (Hons)

Dr. Dineshwar Paswan
Asstt. professor
Deptt. of Economics
M.L.S College, Sarisab-pahi, (Madhubani)
Mob – 9973572631

कीमत रेखा में परिवर्तन :— कीमत रेखा की स्थिति तथा ढलान अथवा झुकाव किन्हीं दो तत्वों पर निर्भर करता है —
(1) उपभोक्ता की आय तथा
(2) उन दो वस्तुओं की कीमत जिन्हें उपभोक्ता खरीदना चाहता है।
कीमत रेखा में दो प्रकार से परिवर्तन हो सकता है :—

(1) आय में परिवर्तन होने से (Due to change in Income) :—
यदि वस्तु की कीमत स्थिर रहे तो आय के बढ़ने से कीमत रेखा समानांतर रूप में ऊपर की ओर सरक जायेगी तथा आय के कम होने से कीमत रेखा समानांतर रूप में नीचे की ओर सरक जायेगी।

चित्र - 14

चित्र-14 से ज्ञात होता है कि जब उपभोक्ता की आय 10 रुपये से बढ़कर 12 रुपये हो जाती है तो वह संतरों की 120 इकाइयाँ (120 संतरे × 10 पैसे = 12 रु०) अथवा सेब की 30 इकाइयाँ (30 सेब × 40 पैसे = 12 रु०) खरीद सकता है आय में वृद्धि होने के कारण ही कीमत रेखा PQ से समानांतर रूप में में खिसककर P_1Q_1 हो जाती है जैसाकि चित्र-14 बतलाता है।

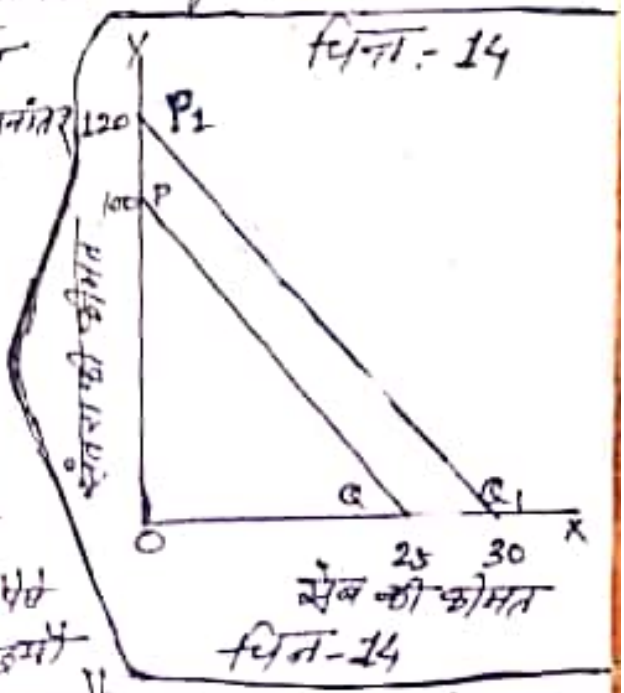

(2) एक वस्तु की कीमत में परिवर्तन होने से (Due to change in the price of one commodity) :— जब उपभोक्ता की आय तथा एक वस्तु की कीमत भी स्थिर रहती है परन्तु दूसरी वस्तु की कीमत में परिवर्तन आ जाता है तो कीमत रेखा के ढाल या झुकाव में परिवर्तन आ जाता है। →

P.T.O

Scanned with CamScanner

चित्र-15 से ज्ञात होता है कि
यदि X अक्ष पर सेबों की कीमत कम हो कर 20 पैसे प्रति सेब
हो जाये परन्तु उपभोक्ता की आय 10 रुपये ही रहे
तथा संतरों की कीमत 10 पैसे प्रति
संतरा ही रहे तो कीमत रेखा
अपने पूर्व-स्थान से हटकर
PQ से PQ1 हो जायेगी।
उपभोक्ता अब अधिक से
अधिक 50 सेब खरीद
सकता है।

चित्र-15

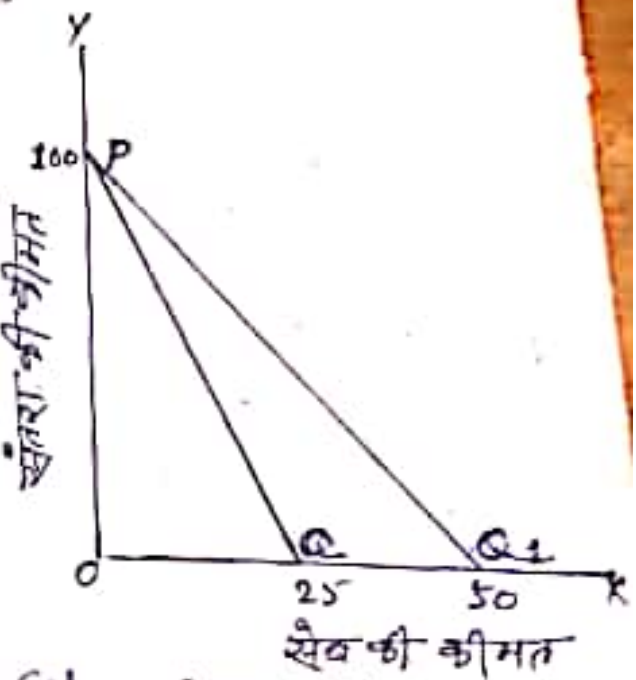

P – price से तात्पर्य है
और Q – Quantity से तात्पर्य है
अर्थात् कीमत और मुद्रा के संबंध (अनुपात) को दर्शाता है तथा आय के अनुसार ही उपभोक्ता (consumer) कोई वस्तु को खरीदना चाहेगा अथवा चाहता है।